वैश्य का गौरव

- लेखक: डॉ. पंकज कुमार, पटना, बिहार

(16 जून, २०२४) | Version: 1.0

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. - L-151378/2024
Date 19/07/2024

जब भी देश ने हमें पुकारा,
भामाशाह के आदर्शों ने बढ़ाया सहारा।
धन-संपत्ति की जो दी आहुति,
हम वैश्य, निभाएं सच्ची भक्ति।

हम वैश्य, गर्व हमारा,
एकता ही है मर्म हमारा।
राह समृद्धि की हम धरेंगे,
प्रगति के पथ पर निरंतर बढ़ेंगे।

नेतृत्व के गुण सिखाएँगे,
युवाओं को आगे बढ़ाएँगे।
हम एकता की मिसाल बनेंगे,
हर दिल में जश्न मनाएँगे।

जो शूरवीर है वो वैश्य, जो कर्मवीर है वो वैश्य,
देश की धड़कन, भारत की जान है वो वैश्य।

हर संकट में जो अडिग, पर्वत सा खड़ा रहे, वो वैश्य।

उन्नत की पंडित

हर चुनौती को पार कर, सफलता का ध्वज फहराए, वो वैश्य।
व्यापार का योद्धा, संघर्ष का जो अमर बलिदानी, , वो वैश्य।
समृद्धि का वाहक, प्रगति का दीवाना है वो वैश्य।

जो शूरवीर है वो वैश्य, जो कर्मवीर है वो वैश्य,
अर्थव्यवस्था का आधार, देश की शान है वो वैश्य।

जो अपने पुरुषार्थ से, धरा को स्वर्ग बनाता, वो वैश्य।
जो अपने श्रम से, हर बंजर को हरियाता, वो वैश्य।
सपनों का शिल्पकार, भविष्य का निर्माता, वो वैश्य।
उद्योग का अग्रदूत, नव युग का प्रेरणा स्रोत है वो वैश्य।

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. - L-151378/2024
Date 19/07/2024

जो शूरवीर है वो वैश्य, जो कर्मवीर है वो वैश्य,
समाज का सेवक, मानवता का मान है वो वैश्य।

जो अपने हृदय की गहराई से, हर जरूरत को समझे, , वो वैश्य।
जो अपने दान से, दुखों को दूर भगाए, वो वैश्य।
जो गरीब की आवाज, और हर दुखियारे का साथी, ,वो वैश्य।
वो करुणा का सागर, सच्चा मानवता का रक्षक है वो वैश्य।

जो भामाशाह की राह पर चलें वो वैश्य
जो भामाशाह के गुण गाय, वे वैश्य

जो दान करें दिल से, जो मदद को तत्पर हों, वो वैश्य।
जो हर जरूरतमंद के, जीवन में खुशियां भरें। वो वैश्य।
जो समाज को उठाने में, अपना योगदान दें, वो वैश्य।
वो मूरत हैं इंसानियत की, वो प्यारे अपने वैश्य।

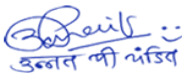

जो शूरवीर है वो वैश्य, जो कर्मवीर है वो वैश्य,
त्याग और तपस्या का, अनुपम उदाहरण है वो वैश्य।

जो बिहार की माटी में, स्वर्णिम इतिहास लिखे, वो वैश्य।
जो अपनी मेहनत से, हर दिल में जगह बनाए, वो वैश्य।
जो हर युग में रहे, हर काल में अजेय, वो वैश्य।
वो यश का प्रतीक, वो गर्व का प्रकाश है वो वैश्य।

जो शूरवीर है वो वैश्य, जो कर्मवीर है वो वैश्य,
राष्ट्र की शक्ति का, अडिग स्तंभ है वो वैश्य।

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. - L-151378/2024
Date 19/07/2024

देश की समृद्धि, और विकास की परिभाषा , वो वैश्य।
भारत की आत्मा, बिहार की आशा, वो वैश्य।
जो हर दिन नए सपने, और नई उड़ान भरता, वो वैश्य।
वो अमर गाथा है, वो अभिमान है, वो वैश्य।

जो शूरवीर है वो वैश्य, जो कर्मवीर है वो वैश्य,
भारत की धड़कन, बिहार की शान है वो वैश्य।

जो वीर है वो वैश्य, जो दानी है वो वैश्य,
भारत की शान, वो कहानी है वो वैश्य।
जो हर व्यवसाय की नींव रखे, मिट्टी को सोना करे वो वैश्य
जो वैश्विक समुदाय का विश्व है वो वैश्य।